

M.A. - I (Hindi) (NEP Pattern) Semester-I
**NEP-164 / SIMAHIN 102 - Major DSE - Kavyashastra Evam Sahitya Lochan Ke
Siddhant (Bhartiya Kavyashastra)-I**

P. Pages : 3

Time : Three Hours



GUG/W/23/15011

Max. Marks : 80

सुचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। 10

ईकाई - 1

अ) काव्य के लक्षण लिखकर काव्य के प्रकार पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आ) रस का स्वरूप स्पष्ट करते हुए भरतमुनि के रस सूत्र पर प्रकाश डालिए।

ईकाई - 2

10

इ) अलंकार की परिभाषा लिखकर अलंकार सिद्धान्त का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ई) रीति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए रीति के भेद लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए।

ईकाई - 3

10

उ) ध्वनि सिद्धान्त की व्युत्पत्ति का आशय स्पष्ट करते हुए ध्वनि के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

ऊ) ध्वनि की परिभाषा लिखकर ध्वनि एवं शब्द शक्ति पर प्रकाश डालिए।

ईकाई - 4

10

ए) वक्रोक्ति की परिभाषा लिखकर वक्रोक्ति सिद्धान्त का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ऐ) औचित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए औचित्य की प्रमुख स्थापनाओं पर प्रकाश डालिए।

- 4) कौन अलंकारवादी कवि नहीं है?
अ) रुद्रट
ब) दण्डी
स) भामह
द) विश्वनाथ
- 5) रीति सम्प्रदाय के जन्मदाता माने जाते हैं।
अ) वामन
ब) भरतमुनि
स) रुद्रट
द) मम्मट
- 6) औचित्य सम्प्रदाय का संस्थापक कौन है?
अ) क्षेमेन्द्र
ब) रुद्रट
स) पं. जगन्नाथ
द) जयदेव
- 7) काव्यशास्त्र में आत्मा शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया?
अ) दण्डी
ब) रुद्रट
स) कुन्तक
द) वामन
- 8) सहृदय की चेतना का साधरणीकरण मानने वाले व्याख्याकार हैं-
अ) राहूल सांकृत्यायन
ब) रामचन्द्र शुक्ल
स) केशव प्रसाद मिश्र
द) डॉ. नगेन्द्र
- 9) आलम्बन एवं उद्दीपन रस के किस अंग के भेद है?
अ) स्थायी भाव
ब) संचारी भाव
स) विभाव
द) व्यभिचारी भाव
- 10) कितने प्रकार के काव्य हेतु माने गये हैं?
अ) पाँच
ब) तीन
स) चार
द) सात
